

an>

Title:Need to shift jails on the outskirts of the cities.

**श्री दिलीपकुमार मनसुखताल गांधी (अहमदनगर) :** अवसर यह देखा गया है कि बड़े-बड़े महानगरों तथा छोटे-छोटे जनग्रों में घनी आबादी के कारण भूमि की कीमत आसमान छूने लगी है। शहरों में जीवन उपलब्ध न होने के कारण शहर के कई सरकारी कार्यालय तथा निवासी भी महानगर/शहर की सीमा देखा के बाहर स्थानान्तरित हो रहे हैं। यह जनता अपने रोज के व्यवहार के कारण शहरों में आती है और ज्यादा भीड़ होने के कारण दुर्घटनाएं होती हैं। महानगर/शहरों की घनी आबादी के कारण शहर के कारबूझ शहरों के मध्यवर्ती भौत् में आ गये हैं। जेल कैरियों का आवागमन तथा उनको मिलने हेतु आने वाले लोगों की वजह से कारबूझ के आस-पास की जनता भरभीत रहती है। कारबूझ के पास सैकड़ों एकड़ भूमि खाली पड़ी है जिसकी आज बाजार दरों से कमों में कीमत है। अबर ये कारबूझ शहर के बाहर कम दाम पर भूमि लेकर स्थानान्तरित किये गये तो शहर रिथ कारबूझ के आस-पास की जनता को राहत मिलेगी और महानगरों/शहरों में मध्यवर्ती भौत् में सैकड़ों एकड़ भूमि सरकार को मिलेगी। वहाँ सारे सरकारी कार्यालय, कालोनियाँ बसाकर महानगर/शहर के विकास के साथ-साथ शहर के मध्यवर्ती भौत् में जैसी शैक्षणिक सुविधा भी उपलब्ध हो सकती हैं। महानगर/शहर के विकास को ध्यान में रखते हुए मध्यवर्ती भौत् में बसे हुए कारबूझ शहर के बाहर स्थानान्तरित किए जाएं।

आतः मेरा केन्द्र सरकार से आग्रह है कि इस मूलना पर गंभीरता से विवार करके कार्रवाई करें।